भारत में जाली मुद्रा और कानूनी ढांचा

इस लेख में क्या अपेक्षा करें:

1. सिविल सेवा परीक्षा के लिए विषय का महत्व
2. चर्चा में क्यों
3. जाली मुद्रा क्या है?
4. मुद्रा जारी करने को नियंत्रित करने वाला कानूनी ढाँचा
5. जाली मुद्रा: चुनौतियाँ और उपाय
6. निष्कर्ष
7. अभ्यास प्रश्न

सिविल सेवा परीक्षा के लिए विषय का महत्व:

• प्रारंभिक परीक्षा - भारत की आर्थिक और वित्तीय व्यवस्था
• मुख्य परीक्षा - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-3 - आंतरिक सुरक्षा

चर्चा में क्यों:

• जुलाई 2025 में, दिल्ली पुलिस ने एक परिष्कृत जाली मुद्रा रैकेट का पर्दाफाश किया, जिसमें एक गिरोह शामिल था जिसने "मनोरंजन बैंक ऑफ इंडिया" नामक नकली नोटों का इस्तेमाल करके एक व्यक्ति को ₹40 लाख का चूना लगाया था।
• यह गिरोह दक्षिण दिल्ली में एक किराए के फ्लैट से संचालित होता था, और पीड़ितों को धोखा देने के लिए हाथ की सफाई और नकली मुद्रा के बंडलों का इस्तेमाल करता था।
• यह घटना भारत में जाली मुद्रा की लगातार बढ़ती समस्या और इससे निपटने के लिए मौजूद कानूनी उपायों को रेखांकित करती है।

जाली मुद्रा क्या है?

• जाली मुद्रा से तात्पर्य ऐसे नोटों या सिक्कों से है जो असली वैध मुद्रा की नकल करके धोखा देने या ठगने के इरादे से बनाए जाते हैं।
• ये नोट या सिक्के अक्सर असली मुद्रा के समान दिखने के लिए बनाए जाते हैं, लेकिन भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) या भारत सरकार द्वारा जारी नहीं किए जाते हैं।

- नकली मुद्रा अवैध है और अर्थव्यवस्था को कमजोर करती है, जिससे मुद्रास्फीति, काले धन का प्रचलन और राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली में विश्वास की कमी होती है।

मुद्रा जारी करने को नियंत्रित करने वाला कानूनी ढाँचा

भारत में मुद्रा नोटों का निर्गमिकरण और विनियमन कई प्रमुख प्रावधानों द्वारा नियंत्रित होता है:

- **भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934**: इस अधिनियम की धारा 22 भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) को एक रुपये के नोट और सिक्कों को छोड़कर, सभी मूल्यवर्ग के बैंक नोट जारी करने का अधिकार देती है, जो वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किए जाते हैं।
- **भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023:** BNS की धाराएँ विशेष रूप से जाली मुद्रा नोटों और सिक्कों से संबंधित अपराधों को संबोधित करती हैं।
- **धारा 178(1):** सिक्कों, सरकारी टिकटों, मुद्रा नोटों या बैंक नोटों की जालसाजी के लिए आजीवन कारावास या दस वर्ष तक के कारावास और जुर्माने से दंडित करती है।
- **धारा 178(2):** इस धारा के प्रावधानों के तहत "बैंक नोट" और "सिक्का" की परिभाषाएँ परिभाषित करती है।
- **धारा 178(3):** एक मूल्यवर्ग के सिक्के को दूसरे वास्तविक मूल्यवर्ग के सिक्के के रूप में प्रदर्शित करके सरकारी स्टाम्प की जालसाजी से संबंधित है।
- **धारा 178(4):** किसी सिक्के की जालसाजी करने के लिए उसके वजन में परिवर्तन करना, उसे कम करना या उसका रूप बदलना।

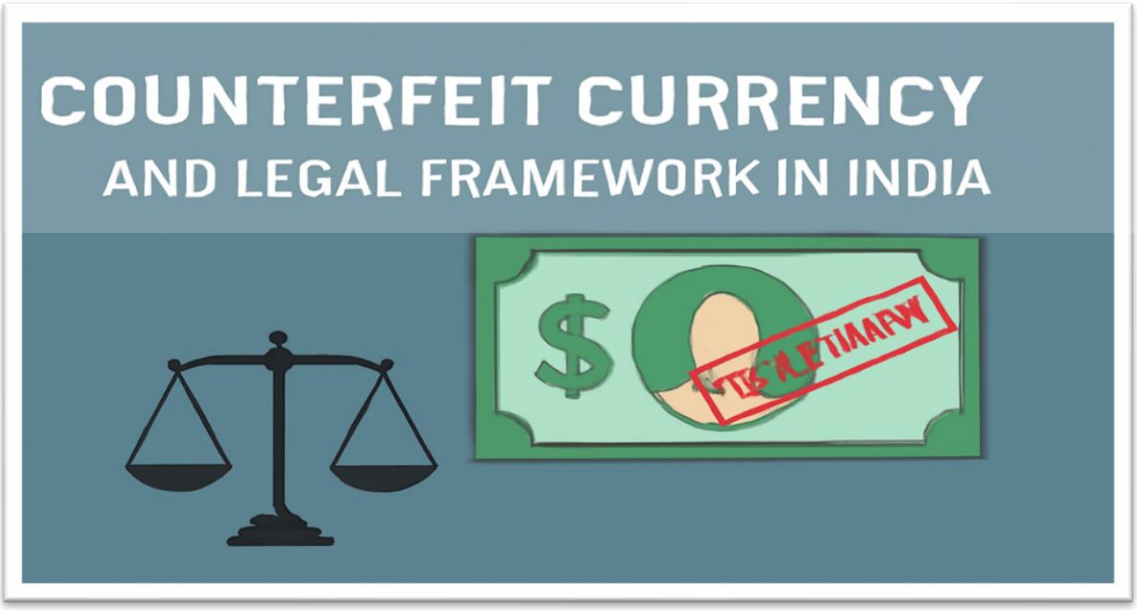

जाली मुद्रा: चुनौतियाँ और उपाय

नकली मुद्रा अर्थव्यवस्था और वित्तीय प्रणाली के लिए गंभीर चुनौतियाँ पेश करती है। आरबीआई ने जाली नोटों का पता लगाने और उनके प्रचलन को रोकने के लिए कई उपाय लागू किए हैं:

- **करेंसी नोटों में सुरक्षा विशेषताएँ:** आधुनिक बैंक नोटों में जालसाजी को रोकने के लिए उन्नत सुरक्षा विशेषताएँ, जैसे वॉटरमार्क, सुरक्षा धागे, गुप्त चित्र, माइक्रोटेक्स्ट और रंग बदलने वाली स्याही, शामिल हैं।
- **जन जागरूकता अभियान:** आरबीआई जनता को असली करेंसी नोटों की पहचान और उनमें निहित सुरक्षा विशेषताओं के बारे में शिक्षित करने के लिए अभियान चलाता है।
- **पता लगाने की प्रणाली:** बैंक और वित्तीय संस्थान जाली नोटों का पता लगाने के लिए मशीनों और प्रशिक्षित कर्मचारियों से लैस हैं।
- **सूचना देना और ज़ब्ती:** जाली नोट प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को सलाह दी जाती है कि वे इसकी सूचना निकटतम बैंक या पुलिस स्टेशन में दें। बैंकों को जाली नोटों को ज़ब्त करके आरबीआई को सूचित करना आवश्यक है।

निष्कर्ष

दिल्ली में उजागर हुआ जाली मुद्रा का धंधा भारत की मुद्रा प्रणाली की अखंडता की रक्षा में मौजूद चुनौतियों की याद दिलाता है। हालाँकि कानूनी प्रावधानों और तकनीकी प्रगति ने जालसाजी से निपटने के प्रयासों को मज़बूत किया है, फिर भी इस समस्या पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए निरंतर सतर्कता, जन जागरूकता और कठोर प्रवर्तन आवश्यक हैं।

नोट: यह लेख द इंडियन एक्सप्रेस की समाचार रिपोर्ट "मनोरंजन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा जारी जाली नोट: गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार, रैकेट का भंडाफोड़" पर आधारित है।

अभ्यास प्रश्न:

प्रारंभिक परीक्षा:

Q1. भारत में जाली मुद्रा के संबंध में निम्नलिखित में से कौन से कथन सही हैं?

1. जाली मुद्रा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 489A से 489E के अंतर्गत एक अपराध है।
2. जाली मुद्रा मुख्य रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए चिंता का विषय है।
3. भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) भारत में जाली नोटों का पता लगाने और उन्हें जब्त करने के लिए ज़िम्मेदार एकमात्र प्राधिकरण है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3

Q 2. जालसाजी को रोकने के लिए भारतीय मुद्रा नोटों में निम्नलिखित में से कौन सी सुरक्षा विशेषताएँ उपयोग की जाती हैं?

1. वॉटरमार्क
2. रंग बदलने वाली स्याही
3. होलोग्राफिक पट्टी
4. चुंबकीय पट्टी

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए:

A) केवल 1, 2 और 3

B) केवल 1 और 2

C) केवल 1, 3 और 4

D) 1, 2, 3 और 4

उत्तर:

1. A) केवल 1 और 2
2. A) केवल 1, 2 और 3

Result Mitra

मुख्य परीक्षा:

1. जाली मुद्रा भारत में एक सतत समस्या है, जो इसकी अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करती है। जाली मुद्रा के मुद्दे से निपटने में भारतीय दंड संहिता (IPC) और भारतीय न्याय संहिता (BNS) की भूमिका पर चर्चा कीजिए।
(15 अंक, 250 शब्द)

2. जाली मुद्रा संचालन में बढ़ती जटिलता के आलोक में, करेंसी नोटों में भारत की वर्तमान सुरक्षा विशेषताओं की प्रभावशीलता का मूल्यांकन कीजिए। जाली नोटों के प्रचलन को रोकने के लिए क्या अतिरिक्त उपाय किए जा सकते हैं?
(15 अंक, 250 शब्द)

Result Mitra